Seventeenth Loksabha

>

Title: Need to construct a new and alternative bridge in place of old coronation bridge in North Bengal.

श्री जॉन बर्ला (अलीपुरद्वारस): अध्यक्ष महोदय, उत्तर बंगाल के तराई-द्वारस क्षेत्र में तीस्ता नदी के ऊपर बने डैम के समीप एक महत्वपूर्ण ब्रिज है, जिसका नाम कोरोनेशन ब्रिज है, जिसे बाघ पुल, सेवॉक ब्रिज भी कहा जाता है । यह ब्रिज दार्जिलिंग जिले को अलीपुर और जलपाईगुड़ी जिले से जोड़ता है । नेशनल हाईवे रोड एन.एच. 31(c) इस ब्रिज से होकर गुजरती है । इसका निर्माण कार्य सन् 1936 में शुरू हुआ । इसे ब्रिटिश गवर्नमेंट ने बनाया और वर्ष 1941 में इसका काम पूर्ण किया था । यह ब्रिज मात्र पर्यटक आकर्षण का केन्द्र नहीं है, बल्कि इस क्षेत्र में आवाजाही का माध्यम भी है । यह पुल हरे परिवेश का नजारा भी प्रदान करता है । इससे यात्रियों को उस क्षेत्र को देखने और आने-जाने में सुविधा होती है । मेरे क्षेत्र में लाखों की संख्या में लोग रहते हैं । उन्हें किसी भी तरह की मेडिकल इमरजेंसी हो, तो अस्पताल जाने के लिए या किसी कारणवश शहर जाना हो या अपने क्षेत्र से बाहर सफर करना हो तो सेवॉक की पहाड़ियों में स्थित कोरोनेशन ब्रिज से होते हुए सिलीगुड़ी शहर जाना पड़ता है ।

महोदय, इस ब्रिज की समय-सीमा समाप्त हो चुकी है । आज ब्रिज जर्जर अवस्था में है और कभी भी टूट सकता है । अगर यह ब्रिज टूटता है तो लाखों की संख्या में लोगों पर सीधे तौर पर इसका असर पड़ेगा । हाल ही में राजस्थान के पर्यटक गए थे, तो चार लोग इस ब्रिज के सामने नदी में गिर कर मर गए ।

अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से संसद में निवेदन करता हूं कि इस ब्रिज का विकल्प जितनी जल्दी हो सके, ढूंढ़ा जाए । रेलवे ब्रिज के समीप अगर नए ब्रिज की कल्पना करें, तो सिलीगुड़ी सफर को 30 से 40 मिनट तक कम

किया जा सकता है । यह समय की बचत मेडिकल इमरजेंसी की स्थिति में जीवन रक्षक साबित हो सकती है । धन्यवाद ।